Title: Demand to investigate the vanishing companies scam by the CBI.

श्री श्रीप्रकाश जायसवाल (कानपुर) : अध्यक्ष जी, मैं आपका आभार व्यक्त करता हूं कि आपने मुझे एक अत्यंत महत्वपूर्ण विाय पर बोलने का मौका दिया है।

अध्यक्ष जी, आज हमारे देश मे धीरे-धीरे पूंजी बाजार की साख नीचे की ओर चली जा रही है। किसी भी देश का आर्थिक व्यवस्था का मजबूत आधार उस देश के पूंजी बाजार पर होता है। लेकिन पिछले 10 वाों से इस देश में घोटलों की एक श्रृंखला सी चल रही है। एक के बाद एक घोटाला आता है जिससे पूरे देश का पूंजी बाजार ध्वस्त हो जाता है, उसकी साख गिरती है। छोटे इनवैस्टर्स का पैसा डूबता है। सारे विश्व में यह संदेश जाता है कि पूंजी लगाने का काम हिन्दुस्तान के अलावा किसी और देश में किया जाये। मैं ऐसी ही कुछ कम्पनियों की ओर आपका ध्यान आकर्ति कराना चाहता हूं।

अध्यक्ष जी, देश में ऐसी 1000 कम्पनीज थी जो बिलकुल फर्जी थीं। जिन्होंने कम्पनीज बनाई, उन्होंने इनवैस्टर्स का पैसा लिया, तमाम इंस्टीट्युशन्स का पैसा लिया लेकिन आज उन कम्पनीज़ का कोई अता-पता ही नहीं है। सरकार से इस बारे में बार-बार अनुरोध किया गया, उस पर दबाव डाला गया। मैंने एक दर्जन से ज्यादा पत्र वित्त मंत्रालय को लिखे। सरकार ने भी इस बात को स्वीकार किया कि ऐसी 229 कम्पनियों को ट्रेस किया गया है जिन्होंने घोटाला किया है, पब्लिक का पैसा लिया है। मैंने सरकार से इस बात की मांग की है कि इन कम्पनियों के डायरेक्टर्स, जो खुले-आम देश मे घूम रहे हैं और सेबी व मिनिस्ट्री ऑफ कमपनी अफेयर्स के अधिकारियों की सीधी-सीधी जिम्मेदारी बनती है, उनके खिलाफ जब तक कार्यवाही नहीं की जायेगी जिनकी आड़ में इन कम्पनियों के मालिकों और डायरेक्टर्स ने फर्जी कम्पनीज बनाई हैं, तब तक घोटालों पर रोक नहीं लग सकती। इन कम्पनीज के माध्यम से छोटे इनवैस्टर्स का 10 हजार करोड़ रुपया, फाइनेंशियल इंस्टीट्युशन्स और बैंकों का लगभग 8 हजार करोड़ रुपया लिया गया है लेकिन आज तक सरकार ने इस ओर ध्यान नहीं दिया। पूंजी बाजार तब तक ऊपर नहीं उठ सकता, जब तक इन घोटालों पर अंकुश लगाने की कोई कोशिश नही की जाती है। मैं आपके माध्यम से सरकार से मांग करना चाहता हूं कि वैनिशिंग कम्पनीज के मामले में जो घोटाले हुये हैं, जो फर्जी कम्पनीज अस्तित्व में आई हैं, छोटे इनवैस्टर्स का पब्लिक इश्यू में 10 हजार करोड़ रुपया लूट लिया गया है, बहुत सारी फाइनेंशियल इंस्टीट्युन्स का पैसा लूट लिया गया है, जब तक सरकार सी.बी.आई. की जांच नहीं करायेगी, देश का पूंजी बाजार ऊपर नहीं उठ सकता। इसलिये इन वैनिशिंग कम्पनीज के घोटालों के खिलाफ सी.बी.आई. की जांच कराई जाये तथा सरकार उन तथ्यों को सदन के सामने प्रस्तुत करे।